दैनिक भास्कर

15-Feb-2020
जशपुर Page 4

स्नेह सम्मेलन • खेलकूद, लोकनृत्य, सांस्कृति, रंगोली, चित्रकला सहित कई विधाओं में स्टूडेंटस ने दी प्रस्तुति

प्रिंस ने जीते सर्वाधिक खेल पुरस्कार, अंजु सिंह को प्राचार्य ट्रॉफी, प्रेम बने सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक

भास्कर संवाददाता | जशपुरनगर

शहर के एनईएस पीजी कॉलेज में दो दिवसीय छात्र स्नेह सम्मेलन का हुआ समापन

एनईएस पीजी कॉलेज के स्नेह सम्मेलन का समापन हुआ। मुख्य अतिथि विधायक विनय भगत ने कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान हमारी परंपरा रही है। स्नेह सम्मेलन छात्र संघ के लिए किसी उत्सव से कम नहीं है। इसके जरिए छात्र-छात्राओं को अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन का एक मंच मिलता है। साथ ही हर छात्र के लिए स्नेह सम्मेलन का दिन जीवन का यादगार दिन होता है। खास तौर अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए।

उपस्थित अतिथिगण।

• गर्ल्स हास्टल के बाउंड्रीवाल, नया भवन सहित कई घोषणाएं

प्राचार्य डॉ. विजय रक्षित ने कॉलेज के विकास क्रम को बताया तथा वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मुलभूत आवश्यकता की ओर ध्यान आकर्षित किया। विधायक ने विशेष रूप से नवनिर्मित 100 सीटर कन्या छात्रावास के बाउंड्रीवॉल, कॉलेज के पुराने भवन का नवीनीकरण, प्राध्यापक एवं क्रीड़ा अधिकारी के पदस्थापना पर शासन स्तर पर प्रयास करने का आश्वासन दिया। छात्र-छात्राओं को शिक्षा के प्रति और अधिक ध्यान देने के लिए उन्होंने अपने पिता स्व. रामदेव भगत के नाम से प्रतिवर्ष एमए इतिहास में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र को 5 हजार 1 रुपए देने का ऐलान भी किया।

पुरस्कार वितरण समारोह में खेलकूद प्रतियोगिता में सर्वाधिक पुरस्कार प्रिंसी तिर्की ने प्राप्त किया। सत्र 2019-20 के लिए प्राचार्य ट्राफी से अंजु सिंह को शील्ड देकर सम्मानित किया गया। एनएसएस की ओर से प्रेम कुमार यादव को सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक के रूप में मुख्य अतिथि के द्वारा सम्मानित किया गया। व्यक्तित्व विकास एवं नेतृत्व क्षमता के क्षेत्र में सूर्यकांत चंद्रा एवं आशीष कुशवाहा को सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के प्रत्येक कक्षा के सर्वोच्च अंक प्राप्त छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया गया।

पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता तथा शासकीय योजनाओं पर हुए विशेष कार्यक्रम-स्नेह सम्मेलन के पहले दिन खेलकूद के अंतर्गत दौड़, तवाफेंक, गोलफेंक, भालाफेंक, स्लो साइकिल रेस प्रतियोगिताएं हुई। इसी तरह साहित्यिक गतिविधि के अंतर्गत निबंध, वाद-विवाद, चित्रकला, रंगोली, पोस्टर, केस सज्जा, मेंहदी प्रतियोगिताएं हुई।

दूसरे दिन लोकनृत्य, लोकगीत, एकल नृत्य, समूह नृत्य ,एकल गायन, समूह गायन, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता हुई। सभी कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रस्तुति दी। विशेष रूप से पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता तथा शासकीय योजनाओं में केंद्रित रखा गया। पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह की शुरुआत छत्तीसगढ़ी राज गीत के साथ हुआ। छात्रसंघ प्रभारी डीआर राठिया ने स्वागत उद्बोधन के साथ ही कॉलेज के उपलब्धियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस मौके पर छात्रसंघ अध्यक्ष बबीता बंजारा ने कॉलेज की समस्या की ओर मुख्य अतिथि का ध्यान आकर्षित किया। इस दौरान प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ.एके श्रीवास्तव एवं केके केरकेट्टा ने की।

एनईएस कॉलेज में पूजा करते छात्र-छात्राएं।

मंदिर में भक्तों की कतार

शहर के पुरानी टोली में स्थित सरस्वती मंदिर में सुबह से ही भक्तों की भीड़ लगी रही। यहां पूजा के लिए शहर के कई जनप्रतिनिधि भी पहुंचे। सुबह मां सरस्वती की विधिवत पूजा कराई गई। जिसके बाद हवन किया गया। दिनभर यहां श्रद्धालु पहुंचते रहे।

मिष्टान, अदरक, मूला, शक्कर, घृत, नारियल, नारियल का जल, श्रीफल, ऋतु अनुसार फल आदि सामग्री का पूजन में प्रयोग किया गया। बसंत पंचमी पर पीले वस्त्र पहनकर मां सरस्वती का पूजन अधिकांश लोगों ने किया। अधिकांश स्कूल की छात्राएं पीली साड़ी पहनकर स्कूल पहुंची थी पूजा स्थल पर गेहूं की बाली, पीला फूल, आम के पत्ते आदि का अर्पण कर मां सरस्वती से ज्ञान, बुद्धि, वाणी को प्राप्त करने की प्रार्थना की गई।

विद्यार्थियों ने की पूजा

शहर के एनईएस कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने मां शारदे की पूजा बड़े ही धूम-धाम से की। छात्र-छात्राओं ने कॉलेज के प्रागणन में पंडाल लगाकर शिक्षकों के साथ पूजा-अचर्ना कर बुद्धि की देवी को नमन किया। एनईएस कॉलेज के छात्र सूर्यकांत चंदा, संदीप, रश्मि द्वारा इस बार सामूहिक तौर पर मां सरस्वती की पूजा का आयोजन किया।

शासकीय राम भजन राय एन.ई.एस. स्नातकोत्तर (अग्रणी) महाविद्यालय
जशपुरनगर (छ.ग.)
छात्र स्नेह सम्मेल
वर्ष–2020

16 september
World ozone day
WORLD OZONE DAY
SAVE OZONE Layer
13

शासकीय रामभजन राम एन.ई.एस.
स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जशपुर नगर, जिला - जशपुर (छ.ग.)
वृक्षारोपण कार्यक्रम
28 छत्तीसगढ़ एन.सी.सी. बटालियन, रायगढ़

realme Shot by jagu bhai
2022/05/31 13:34

दैनिक भास्कर

01-Aug-2019
जशपुर Page 4

भविष्य को बचाने के लिए भास्कर का अभियान महत्वपूर्ण है: निकुंज

एक पेड़ एक जिंदगी अभियान के तहत एनईएस पीजी कॉलेज में पौधरोपण

भास्कर संवाददाता | जशपुरनगर

दैनिक भास्कर के एक पेड़ एक जिंदगी अभियान के तहत बुधवार को शहर के रामभजन राय एनईएस पीजी कॉलेज की वाटिका में पौधे लगाए गए।

कॉलेज परिसर में हुए पौधरोपण कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष हीरू राम निकुंज, एनईएस कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विजय रक्षित और दैनिक भास्कर रायगढ़ एडिशन के संपादक विनोद सिंह सोमवंशी शामिल हुए। कॉलेज के सभी प्राध्यापकों ने इस अभियान में हिस्सा लिया और फलदार व छायादार पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष हीरूराम निकुंज ने कहा कि कॉलेज के प्राचार्य व स्टाफ खुद पौधे लगाकर स्टूडेंट्स को पौधरोपण के लिए प्रेरित कर रहे हैं। श्री निकुंज ने कहा कि दैनिक भास्कर ने जीवन बचाने के लिए यह महत्वपूर्ण अभियान शुरू किया है। वन है तो जल है और जल है तो कल है। अभी से ही देशभर में पानी के लिए हाहाकार की स्थिति बन रही है। जशपुर में ही बारिश कम होने से फसल बोआई का काम 60 फीसदी हो पाया है। मानव जीवन का भविष्य संकट में दिख रहा है। ऐसे में भास्कर ने जो अभियान शुरू किया है, वह काबिले तारीफ है। भास्कर खबरों के मामले में भी बेहतर है। शहर से लेकर जिले भर और देश विदेश की तमाम खबरों व जानकारियों का संग्रह भास्कर हमें रोज दे रहा है। इस मौके पर एनईएस कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विजय रक्षित ने कॉलेज के प्राध्यापक व स्टाफ से कहा कि पौधरोपण करने मात्र से हमारी जिम्मेदारी खत्म नहीं होती है। यह पौधे हमारी देखरेख में वृक्ष का रूप लें यह हमारी जिम्मेदारी है। इस मौके पर असिस्टेंड प्रोफेसर डॉ अमरेन्द्र सिंह, जेआर भगत, एआर बैरागी, एस निकुंज, केके केरकेट्टा, डॉ विनय कुमार तिवारी, डॉ. आनंद राम, पीसी सतपती, वीपी सिंह, वेदनाथ पटेल, प्रदीप द्विवेदी, रिजवाना खातुन सहित कॉलेज स्टाफ उपस्थित थे।

पौधे लगाते प्रिंसिपल डॉ. रक्षित और संपादक विनोद सिंह।

पौधरोपण करते नगर पालिका अध्यक्ष हीरू राम निकुंज और अन्य।

Govt.R.B.R.N.E.S.P.G.College Jashpur Nagar (C.G.)
ECONOMICS COUNCIL-2019-20

← Tweet

145 214 605

Amrendra
@amrendra1039

Replying to @ChhattisgarhCMO and @bhupeshbaghel

शासकीय राम भजन राय एन ई एस स्नातकोत्तर महाविद्यालय ,जशपुर के अर्थशास्त्र विभाग के विधार्थी बोरे बासी श्रमिकों के साथ खाते हुए। श्रमिकों को गमला और फल के साथ सम्मानित करते हुए। श्रमदान भी किए।माननीय मुख्यमंत्री महोदय को सादर धन्यवाद 🙏🙏

Translate Tweet

1:50 pm · 01 May 22 · Twitter for Android

Tweet your reply

राष्ट्रीयविज्ञानदिवस
NATIONAL SCIENCE DAY
28 RUARY 2019

बसंतोत्सव • सरस्वती शिशु मंदिर सहित अन्य स्कूलों में विधिवत की गई पूजा, भक्तों में बांटा गया प्रसाद

बसंत पंचमी में जगह-जगह हुई मां सरस्वती की आराधना, फूल चढ़ाने विद्यार्थियों की लगी कतार

भास्कर न्यूज |जशपुरनगर

बसंत ऋतु के आगमन के साथ ही विद्या की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर आराधना की गई। मंगलवार को पुरानी टोली स्थित सरस्वती मंदिर में सुबह से दर्शन और पूजन के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। बसंत पंचमी में सुबह से ही छात्र-छात्राएं पूजा की तैयारी में लगे रहे व देवी सरस्वती की आराधना कर जीवन में सफलता की कामना की। सरस्वती मंदिर में सुबह से ही मां वीणा वादिनी के दर्शन के लिए भक्तों का तांता लगा रहा, जिसमें अधिकांश छात्र-छात्राएं थे। हाथों में पूजा की थाल सजाए सुबह से ही श्रद्धालु सरस्वती मंदिर पहुंचे । इसके अलावा कला क्षेत्र से जुड़े लोगों ने अपने-अपने वाद्य यंत्रों, कला की सामग्रियों की विधिवत पूजा की। सरस्वती मंदिर में सुबह से ही पूजा-अर्चना शुरू हो गई। 11 बजे के बाद सरस्वती मंदिर में सामूहिक यज्ञ का आयोजन प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार किया गया। इसके अलावा शहर के कई स्कूलों में छात्र-छात्राओं के द्वारा बसंत पंचमी कार्यक्रम का आयोजन कर विद्या देवी की अराधना की गई। पं. मनोज रमाकांत मिश्र ने बसंत पंचमी और बसंत के महत्व को बताते हुए कहा कि बंसत पंचमी के दिन विद्या की अधिष्ठात्री मां सरस्वती की पूजा अराधना की जाती है। इस अवधि में पेड़-पौधे तक तक अपनी पुरानी पत्तियों को त्यागकर नई कोपलों से आच्छादित दिखाई देते है। समूचा वातावरण पुष्पों की सुगंध और भौंरों के गूंजन से भरा होता है। मधुमक्खियों की टोली पराग से शहद लेती दिखाई देती है। इसलिए इस माह को मधुमास भी कहा जाता है। मां सरस्वती की कृपा से ही विद्या, बुद्धि, वाणी और ज्ञान की प्राप्ति होती है।

सरस्वती मंदिर में पूजा अर्चना के लिए उमड़ी भीड़

बच्चों ने किया विद्यारंभ

शहर के कई स्कूलों में विद्या की देवी मां सरस्वती की अराधना की गई। इसके लिए बच्चे रंग-बिरंगे पोशाकों में सजे-धजे स्कूल पहुंचे थे। कई छात्राएं पारंपरिक रूप से साड़ी पहनकर स्कूल गईं थीं। वहां उन्होंने शिक्षकों के साथ मां शारदे की पूजा की और प्रसाद वितरण किया। वहीं प्राचीनकाल में बच्चों को इसी दिन से ही शिक्षा देना प्रारंभ किया जाता था। यह परंपरा आज भी जीवित है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए कई लोगों ने अपने नन्हें बच्चों के हाथों में स्लेट-पेंसिल व किताब-कापियां पकड़ाकर विधि-विधान से उनका विद्यारंभ कराया। मान्यता है कि बसंत पंचमी ऐसी शुभ तिथि है, जिसमें शुभ कार्य करने के लिए कोई मुहूर्त देखने की जरूरत नहीं पड़ती।

महाविद्यालय में भी पूजा का किया आयोजन

भास्कर न्यूज | जशपुरनगर

शासकीय राभरा एनईएस स्नातकोत्तर महाविद्यालय जशपुरनगर के अर्थ शास्त्र विभाग में आज शासन के कोविड 20 के नियमों का पालन करते हुए सरस्वती पूजा की गई। छात्रों का कहना था कि हमलोग पिछले वर्ष के सरस्वती पूजा के बाद शासन के निर्देशानुसार नियमित कक्षा के लिए आए हैं। करीब एक साल बाद सरस्वती मां की असीम कृपा और आशीष से कोरोना महामारी के संकट की घड़ी में साहस, संयम और सद्बुद्धि दी, जिसके कारण स्वस्थ्य, सानंद रहकर फिर इस वर्ष दुगने उत्साह और उमंग से बसंत का आगमन सरस्वती मां की वंदना के साथ विभाग में उपस्थित होने का सौभाग्य मिला है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विजय कुमार रक्षित, विभागाध्यक्ष डॉ अमरेन्द्र, सहायक प्राध्यापिका सरिता निकुंज, इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. वीएन पटेल, सहायक प्राध्यापक डॉ. तरुण कुमार राय उपस्थित थे।

पत्थलगांव की शैक्षणिक संस्थाओं में विद्या की देवी मां सरस्वती की हुई पूजा

स्कूल मे पूजा अर्चना करते बच्चे

भास्कर न्यूज | पत्थलगांव

बसंत पंचमी के आगमन को लेकर सबसे अधिक उत्साह स्कूली बच्चो में देखने को मिला। बच्चे सुबह से ही हाथ में केला,सेव का प्रसाद लेकर स्कूल की ओर रवाना हो रहे थे। अधिकांश शैक्षणिक संस्थाओं में विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा धूमधाम से संपन्न कराई गई। सीबीएससी स्कूल लिटिल रोज में बसंत पंचमी के मौके पर स्कूली बच्चो ने प्रातः वंदना के बाद स्कूल प्रांगण में ज्ञान की देवी मां सरस्वती की उपासना की। स्कूली बच्चो ने मां सरस्वती की पूजाकर आशीर्वाद लिया। बच्चो ने सरस्वती पूजा के लिए विद्यालय प्रांगण को भक्तिमय बना दिया था। स्कूल के प्राचार्य जोगेन्द्र मेहर के मार्गदर्शन में स्कूल मे विशेष त्योहारों पर बच्चों की सीख के लिए नई-नई गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। स्कूल के प्राचार्य जोगेन्द्र मेहर ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए बच्चो ने मां सरस्वती की पूजा का महत्व बताया गया। बसंत पंचमी के अवसर पर स्कूल में आयोजित सरस्वती पूजा के दौरान कई सांस्कृतिक कार्यक्रमो की और भी प्रस्तुति दी गई।

बसंत पंचमी का महत्व

प्रमुख ज्योतिषाचार्य आनंद शर्मा ने शैक्षणिक संस्थाओं मे बच्चो को बसंत पंचमी एवं सरस्वती पूजा का महत्व बताया। उनका कहना था कि हिंदू पौराणिक कथा के अनुसार भगवान ब्रह्मा ने संसार की रचना की तब उन्होंने पेड़-पौधे जीव-जंतु और मनुष्य बनाया, लेकिन उन्हें लगा कि उनकी रचना में कुछ कमी रह गई है,इसलिए ब्रह्मा जी ने कमंडल से जल छिड़क कर एक सुंदर स्त्री जिसके हाथ में वीणा दूसरे में माला और चौथे हाथ में वर मुद्रा में थी,ब्रम्हा जी ने इस स्त्री का नाम सरस्वती रखा और वह दिन बसंत पंचमी का दिन था। यह दिवस सभी विद्यालय में बड़े ही श्रद्धापूर्वक मनाया जाता है। मां सरस्वती को ज्ञान और कला की देवी माना जाता हैं।